Curriculum and Credit Framework

As per NEP 2020

For

B.A. SANSKRIT (single major)

(To be effective from the Academic Session 2024-27)

Department of INDIAN KNOWLEDGES AND LANGUAGES

Gurugram University,Gurugram(A State Govt. University Established Under Haryana Act 17 Of 2017)

Scheme of Programme

(Scheme UG A2: Undergraduate Programmes (Single Major)

Pages 01 to 41

Meenakshi

Semester 1

Course Code	Course Title	Course ID	L	T	P	L	T	P	Total Credits	MARKS				
			(Hrs)			Credits				TI	TE	PI	PE	Total
Core Course(s)														
CC-A1	संस्कृत काव्य एवं व्याकरण	240/SKT/ CC101	3	1		3	1		4	30	70			100
CC-A2	भारतीय दर्शन एवं निबन्ध	240/SKT/ CC102	3	1		3	1		4	30	70			100
CC-A3	गद्य साहित्य तथा प्रमुख रचनाकार और अनुवाद	240/SKT/ CC103	3	1		3	1		4	30	70			100
Minor/ Vocational Course(s)														
MIC-1	One from Pool								2					50
Multidisciplinary Course(s)														
MDC-1	One from Pool								3					75
Ability Enhancement Course(s)														
AEC-1	One from Pool								2					50
Skill Enhancement Course(s)														
SEC-1	One from Pool								3					75
Value-added Course(s)														
VAC-1	One from Pool								2					50
Total Credits									**24**					**600**

Semester 2

Course Code	Course Title	Course ID	L	T	P	L	T	P	Credits	MARKS				
			(Hrs)			Credits				TI	TE	PI	PE	Total
Core Course(s)														
CC-A4	संस्कृत नाटक तथा छंद	240/SKT/CC204	3	1		3	1		4	30	70			100
CC-A5	संस्कृत व्याकरण तथा अलंकार	240/SKT/CC205	3	1		3	1		4	30	70			100
CC-A6	आधुनिक महाकाव्य	240/SKT/CC206	3	1		3	1		4	30	70			100
Minor/ Vocational Course(s)														
MIC-2	One from Pool								2					50
Multidisciplinary Course(s)														
MDC-2	One from Pool								3					75
Ability Enhancement Course(s)														
AEC-2	One from Pool								2					50
Skill Enhancement Course(s)														
SEC-2	One from Pool								3					75
Value-added Course(s)														
VAC-2	One from Pool								**2**					**50**
Total Credits									**24**					**600**

Semester 3

Course Code	Course Title	Course ID	L	T	P	L	T	P	Credits	MARKS				
			(Hrs)			Credits				TI	TE	PI	PE	Total
Core Course(s)														
CC-A7	संस्कृत उपन्यास एवं आधुनिक नाटक	240/SKT/CC307	3	1		3	1		4	30	70			100
CC-A8	संस्कृत कथा एवं संस्कृत सुभाषित	240/SKT/CC308	3	1		3	1		4	30	70			100
CC-A9	कठोपनिषद	240/SKT/CC309	2	1		2	1		3	25	59			75
Minor/ Vocational Course(s)														
MIC-3	One from Pool								4					100
Multidisciplinary Course(s)														
MDC-3	One from Pool								3					75
Ability Enhancement Course(s)														

AEC-3	One from Pool								2				50
Total Credits									**20**				**50**

Semester 4

Course Code	**Course Title**	**Course ID**	**L**	**T**	**P**	**L**	**T**	**P**	**Credits**	**MARKS**				
			(Hrs)			**Credits**				**TI**	**TE**	**PI**	**PE**	**Total**
Core Course(s)														
CC-A10	संस्कृत व्याकरण का सामान्य परिचय	240/SKT/ CC410	3	1		3	1		4	30	70			100
CC-A11	खण्डकाव्य	240/SKT/ CC411	3	1		3	1		4	30	70			100
CC-A12	शतक काव्य	240/SKT/ CC412	3	1		3	1		4	30	70			100
Minor/ Vocational Course(s)														
MIC/VOC-4	One from Pool								4					100
Ability Enhancement Course(s)														
AEC-4	One from Pool								2					50
Value-added Course(s)														
VAC-3	One from Pool								**2**					**50**
Total Credits									**20**					**500**

Semester 5

Course Code	**Course Title**	**Course ID**	**L**	**T**	**P**	**L**	**T**	**P**	**Credits**	**MARKS**				
			(Hrs)			**Credits**				**TI**	**TE**	**PI**	**PE**	**Total**
Core Course(s)														
CC-A13	काव्य शास्त्र का इतिहास	240/SKT/ CC513	3	1		3	1		4	30	70			100
CC-A14	भाषा विज्ञान	240/SKT/ CC514	3	1		3	1		4	30	70			100
CC-A15	संस्कृत व्याकरण तथा लेखन कौशल	240/SKT/ CC515	3	1		3	1		4	30	70			100
Minor/ Vocational Course(s)														

MIC-5	One from Pool								4				100
Skill Enhancement Course(s)													
Internship	प्राथमिक ज्योतिष तथा कर्मकांड ज्ञान								4				100
Total Credits									**20**				

Semester 6

Course Code	Course Title	Course ID	L	T	P	L	T	P	Credits	MARKS				
			(Hrs)			Credits				TI	TE	PI	PE	Total
Core Course(s)														
CC-A16	संस्कृत सम्भाषण तथा उच्चारण कौशल	240/SKT/CC616	3	1		3	1		4	30	70			100
CC-A17	नीति साहित्य	240/SKT/CC617	3	1		3	1		4	30	70			100
CC-A18	उपनिषद् तथा स्मृति साहित्य	240/SKT/CC618	2	1		2	1		3	25	50			75
Minor/ Vocational Course(s)														
MIC-6	One from Pool								4					100
MIC-7	One from Pool								4					100
Skill Enhancement Course(s)														
SEC-3	One from Pool								3					75
Total Credits									**22**					**550**

The curriculum of semester 7 and 8 will is provided in due course of time

6

250|SKT|CC101

B A Sanskrit
Semester- 1
Paper - 1

Course Code	Course Title	L	T	P	L	T	P	Credits
		(Hrs)			Credits			
CC-A1	**संस्कृत काव्य एवं व्याकरण**	3	1		3	1		4

अधिगम उपलब्धि:-

1. विद्यार्थियों को संस्कृत लौकिक साहित्य का परिचय, रामायण महाभारत का सामान्य परिचय एवं महत्व का ज्ञान होगा।

2. विद्यार्थियों को पुराणों दर्शन साहित्य, सांख्यदर्शन, योग दर्शन ,वैशेषिक दर्शन ,चार्वाक दर्शन का ज्ञान प्राप्त होगा।3. विद्यार्थियों को व्याकरण शास्त्र के इतिहास का ज्ञान प्राप्त होगा ।

अधिगम उद्देश्य :-

1.विद्यार्थियों को संस्कृत लौकिक एवं दार्शनिक साहित्य के इतिहास का ज्ञान प्राप्त कराने हेतू।

2.व्याकरण शास्त्र के इतिहास का ज्ञान प्राप्त कराने हेतू।

पाठ्यक्रम

इकाई 1 - हितोपदेश मित्रलाभ (1-56 श्लोक)

इकाई 2 - किरातार्जुनीयम् (प्रथम सर्ग)

इकाई 3 - (क) शब्द रूप - बालक, कवि, मती, गुरू, लता, साधू ।

(ख) धातु रूप - पठ्, गम्, भू,चुर्, हस्, कृ ।

इकाई - 4 - कण्ठस्थ कोई दो श्लोक

दिशा निर्देश:-

- सभी इकाईयों से 8 वस्तुनिष्ठ प्रश्न अनिवार्य 16
- इकाई - 1 हितोपदेश के 4 श्लोको में से 2 की सप्रसंग व्याख्या 10
- इकाई -1 दो प्रश्नों में से एक आलोचनात्मक प्रश्न 06
- इकाई 2 - चार श्लोको में से 2 की सप्रसंग व्याख्या 10
- इकाई -2 -दो में से एक आलोचनात्मक प्रश्न 06
- इकाई 3 - चार में से किन्ही दो शब्द रूप 08
- इकाई - 4- चार धातु रूपों में से किन्ही दो के सम्पूर्ण रूप 08
- इकाई -4 - दो कण्ठस्थ श्लोक लेखन 06

8

250/SKT/CC102

B A Sanskrit
semester – 1
Paper-2

Course Code	Course Title	L	T	P	L	T	P	Credits
		(Hrs)			Credits			
CC-A2	**संस्कृत साहित्य में भारतीय दर्शन एवं निबन्ध**	3	1		3	1		4

अधिगम उपलब्धि:-

1. विद्यार्थियों को वेद, ब्राह्मण, आरण्यक एवं उपनिषद् और वेदांग साहित्य का ज्ञान प्राप्त होगा।
2. वैदिक सूक्त के माध्यम से विद्यार्थियों को तत्कालीन आध्यात्मिक सामाजिक एवं राष्ट्रीय परिदृश्य का निर्देशन होगा ।

3.विद्यार्थियों को वैदिक व्याकरण के माध्यम से स्वर, व्यंजन, प्रत्यय का बोध होगा।

अधिगम उद्देश्य:-

1. वैदिक वाङ्मय एवं संस्कृत का ज्ञान कराने हेतू।

2. वेद, ब्राह्मण, आरण्यक एवं उपनिषद् और वेदांग का ज्ञान कराने हेतू।

3. वैदिक स्वर व्यंजन एवं प्रत्यय का ज्ञान कराने हेतू।

पाठ्यक्रम

इकाई- 1 सांख्यकारिका (1-35 कारिका)

इकाई - 2 सांख्यकारिका (36-72 कारिका)

इकाई- 3 भारतीय दर्शन का इतिहास

(क) षड् दर्शन परिचय

(ख) प्रसिद्ध दार्शनिको का परिचय

कपिल, गौतम, कणाद,चार्वाक,बुद्ध,दयानन्दसरस्वती

इकाई- 4 निबन्ध

दिशा - निर्देश:-

- प्रथम प्रश्न वस्तुनिष्ठ होगा जिसमें 8 वस्तुनिष्ठ प्रश्न प्रत्येक यूनिट में से दो पूछे जाएंगें 16
- शेष चार प्रश्नों में यूनिट अनुसार निर्देश अधोलिखित हैं
- इकाई- 1 चार में से किन्ही दो पद्मों का सरलार्थ 10
- इकाई- 2 चार में से किन्ही दो पद्मों का सरलार्थ 10
- एक आलोचनात्मक प्रश्न 06
- इकाई- 3 चार में से दो पर टिप्पणी 10
- इकाई- 4 (क) चार में से किन्ही दो छन्दों के लक्षण एवं उदाहरण 10
- (ख) चार में से किन्ही दो श्लोको में गण प्रदर्शन सहित छन्द की पहचान **08**

10

250/SKT/CC103

B A Sanskrit
Semester -1
Paper -3

Course Code	Course Title	L (Hrs)	T (Hrs)	P (Hrs)	L Credits	T Credits	P Credits	Credits
CC-A3	**गद्य साहित्य तथा प्रमुख रचनाकार और अनुवाद**	3	1		3	1		4

अधिगम उपलब्धि :- (Course Outcomes)

1.विद्यार्थियों को संस्कृत गद्य साहित्य का सामान्य परिचय एवं गद्य साहित्य के इतिहास का ज्ञान प्राप्त होगा।

2. विद्यार्थियों का संबंधित साहित्य के माध्यम से उनका नैतिक एवं चारित्रिक उत्कर्ष होगा ।

3. हर्षचरितम् (बाणभट्ट)-इसके अध्ययन से विद्यार्थियों को काव्यात्मक तत्वों का तो ज्ञान प्राप्त होगा साथ ही तत्कालीन सामाजिक ज्ञान की भी प्राप्ति होगी ।

अधिगम उद्देश्य :-

1.संस्कृत गद्य साहित्य का सामान्य परिचय एवं गद्य साहित्य के इतिहास का ज्ञान कराने हेतू।

2. हर्षचरितम् (बाणभट्ट)-के अध्ययन के माध्यम से काव्यात्मक तत्वों के ज्ञान के साथ-साथ तत्कालीन सामाजिक ज्ञान प्राप्त करने हेतू।

3. कारक ,भाषा को जानने एवं प्रयोग की एक महत्वपूर्ण प्रतिक्रिया है ।कारकों के माध्यम से क्रिया की जो प्रक्रिया है ,वह पूर्ण होती है कारकों का प्रयोग कैसे किया जाता है ये बोध कराने हेतू।

पाठ्यक्रम

इकाई- 1 हर्षचरितम् (बाणभट्ट)

प्रथम एवं द्वितीय उच्छ्वास

इकाई- 2 हर्षचरितम् (बाणभट्ट)

तृतीय एवं चतुर्थ उच्छ्वास

इकाई- 3 संस्कृत गद्य साहित्य के प्रमुख रचनाकार

बाणभट्ट, सुबन्धु ,दण्डी, अम्बिकादत्तव्यास,

डॉ० सुधिकान्त भारद्वाज ,डॉ० राजेन्द्र मिश्र

इकाई- 4 संस्कृत में सामान्य अनुवाद

हिन्दी से संस्कृत में एवं संस्कृत से हिन्दी में

दिशा निर्देश:-

- प्रथम प्रश्न वस्तुनिष्ठ होगा जिसमें आठ वस्तुनिष्ठ प्रश्न प्रत्येक यूनिट में से दो पूछे जाएंगें 16
- शेष चार प्रश्नों में यूनिट अनुसार निर्देश अधोलिखित हैं
- इकाई- 1 चार में से किन्ही दो गद्याशों की सप्रसंग व्याख्या 10
  एक आलोचनात्मक प्रश्न 06
- इकाई- 2 चार में से किन्ही दो गद्याशों की सप्रसंग व्याख्या 10
  एक आलोचनात्मक प्रश्न 06
- इकाई- 3 किन्ही चार में से दो पर टिप्पणी 12
- इकाई- 4 किन्ही 10 वाक्यों में से 6 का संस्कृत में अनुवाद किजिए । 12

12

B A Sanskrit
Semester -2
Paper-1

Course Code	Course Title	L	T	P	L	T	P	Credits
		(Hrs)			Credits			
CC-A4	**संस्कृत नाटक एवं छन्द**	3	1		3	1		4

अधिगम उपलब्धि -

1.संस्कृत में नाटक की प्राचीन परंपरा है ।विद्यार्थियों को नाट्य की उत्पत्ति, विकास एवं स्वरूप की जानकारी प्राप्त होगी।

2.संस्कृत नाट्य से रंगमंच के स्वरूप का ज्ञान प्राप्त होगा ।

3.नाट्यशास्त्र में प्राप्त अभिनय के स्वरूप का ज्ञान प्राप्त होगा

अधिगम उद्देश्य :-

1.वर्तमान संदर्भ में संस्कृत नाटक की उत्पत्ति विकास एवं स्वरूप का ज्ञान प्राप्त कराना।

2. नाट्यशास्त्र में प्रदत्त अभिनय के स्वरूप का सामान्यतया अवबोध कराना।

पाठ्यक्रम:

इकाई- 1 भास कृत प्रतिमानाटकम् 1 से 4 अंक

इकाई- 2 भास कृत प्रतिमानाटकम 5 से 7 अंक

इकाई- 3 नाटक साहित्य का इतिहास

(क) भास, भवभूति, शूद्रक ,विशाखदत्त।

इकाई- 4 छन्दांसि - अनुष्टुप्, आर्या, इन्द्रवज्रा, उपेन्द्रवज्रा, उपजाति, वंशस्थ, शिखरिणी, वसन्ततिलका, मन्दाक्रान्ता, शार्दूलविक्रीडितम् ,स्त्रग्धरा ।

दिशा निर्देश:-

- प्रथम प्रश्न वस्तुनिष्ठ होगा जिसमें आठ वस्तुनिष्ठ प्रश्न प्रत्येक यूनिट में से दो पूछे जाएंगें 16
- शेष चार प्रश्नों में यूनिट अनुसार निर्देश अधोलिखित हैं
- इकाई- 1 चार में से दो पद्मों का सरलार्थ 10
- इकाई--2 चार में से दो पद्मों का सरलार्थ 10
- एक आलोचनात्मक प्रश्न 06
- इकाई- 3 चार में से दो पर टिप्पणी 10
- इकाई- 4 (क) चार में से दो छंदों के लक्षण और उदाहरण 10
- (ख) चार में से किसी दो श्लोक में गण प्रदर्शन सहित छन्द की पहचान 08

14

B A Sanskrit
Semester-2
Paper -2

Course Code	Course Title	L	T	P	L	T	P	Credits
		(Hrs)			Credits			
CC-A5	**संस्कृत व्याकरण तथा अलंकार**	3	1		3	1		4

अधिगम उपलब्धि:-

1. विद्यार्थियों को संस्कृत साहित्य का सामान्य परिचय एवं महत्व का ज्ञान होगा।

2. विद्यार्थियों को व्याकरण शास्त्र के इतिहास का ज्ञान प्राप्त होगा ।

अधिगम उद्देश्य :-

1.विद्यार्थियों को संस्कृत लौकिक एवं दार्शनिक साहित्य के इतिहास का ज्ञान प्राप्त कराने हेतू।

2.व्याकरण शास्त्र के इतिहास का ज्ञान प्राप्त कराने हेतू।

पाठ्यक्रम:

इकाई- 1 प्रत्याहार सूत्र (लघुसिद्धान्तकौमुदी)

इकाई- 2 (क) **शब्द रूप**-राम, कवि, भानु, पितृ, लता, नदी, मति, धेनू, वधू, मातृ, फल, वारि, मधु ।

(ख) **धातुरूप** - परस्मैपदे - भू,,पठ्, हस्, नम्, गम्, अस्,हन्, क्रुध्, नश्, नृत्, अद्,इष्, पृच्छ्, चिन्त्, ।

इकाई- 3 (क) **कृदन्त प्रत्यय**-क्त, क्तवतु, क्त्वा, ण्यत्, तुमुन्, शतृ, शानच्,यत्, तव्यत्, अनीयर् ।

इकाई- 4 अलंकार

अनुप्रास, श्लेष, यमक, उपमा, उत्प्रेक्षा, रूपक, अर्थान्तरन्यास, अतिशयोक्ति, विभावना, विशेषोक्ति।

दिशा निर्देश:-

- प्रथम प्रश्न वस्तुनिष्ठ होगा जिसमें आठ वस्तुनिष्ठ प्रश्न प्रत्येकं यूनिट में से दो पूछे जाएंगें 16
- शेष चार प्रश्नों में यूनिट अनुसार निर्देश अधोलिखित हैं:-
- इकाई- 1 10 में से किन्हीं पाँच प्रत्याहारों का विवरण 10
- इकाई- 2 (क) चार शब्दों में से किन्हीं दो शब्दों के संपूर्ण रूप 10
- (ख) चार धातुओं में से किन्हीं दो धातुओं के पूछे गए दो लकारों में संपूर्ण रूप 10
- इकाई- 3 10 में से किन्हीं पांच में प्रकृति प्रत्यय प्रदर्शन 10
- इकाई- 4 चार में से किन्ही दो अलंकारों के लक्षण एवं उदाहरण 14

16

B A Sanskrit
Semester - 2nd
Paper -3

Course Code	Course Title	L	T	P	L	T	P	Credits
		(Hrs)			Credits			
CC-A6	**संस्कृत साहित्य का आधुनिक महाकाव्य**	3	1		3	1		4

अधिगम उपलब्धि :- (Course Outcomes)

1.विद्यार्थियों को संस्कृत साहित्य का सामान्य परिचय एवं आधुनिक साहित्य के इतिहास का ज्ञान प्राप्त होगा।

2. विद्यार्थियों का संबंधित साहित्य के माध्यम से उनका नैतिक एवं चारित्रिक उत्कर्ष होगा ।

3.इसके अध्ययन से विद्यार्थियों को काव्यात्मक तत्वों का तो ज्ञान प्राप्त होगा साथ ही तत्कालीन सामाजिक ज्ञान की भी प्राप्ति होगी ।

4. विद्यार्थियों को आधुनिक महाकाव्य का बोध कराया जाएगा।

उद्देश्य :-

1.संस्कृत साहित्य का सामान्य परिचय एवं साहित्य के इतिहास का ज्ञान कराने हेतू।

2.. विद्यार्थियों को आधुनिक महाकाव्य का बोध होगा।

पाठ्यक्रम:

इकाई- 1 जानकी जीवनम् डॉ०राजेंद्र मिश्र (प्रथम सर्ग-1-55)

इकाई- 2 जानकी जीवनम्

द्वितीय सर्ग (1-51)

इकाई- 3 आधुनिक संस्कृत साहित्य का इतिहास

इकाई- 4 आधुनिक संस्कृत साहित्य के प्रमुख रचनाकार

(क) अम्बिकादत्त व्यास

(ख) पंडिता क्षमताराव

(ग) भट्ठ मथुरानाथ शास्त्री

(घ) डॉ० सुधीकांत भारद्वाज

(ङ) डॉ० राजेंद्र मिश्र

(च) प्रभाशंकर जोशी

दिशा निर्देश:-

- प्रथम प्रश्न वस्तुनिष्ठ होगा जिसमें आठ वस्तुनिष्ठ प्रश्न प्रत्येक यूनिट में से दो पूछे जाएंगें 16
- शेष चार प्रश्नों में यूनिट अनुसार निर्देश अधोलिखित हैं:-
- इकाई- 1 चार में से किन्ही दो की व्याख्या 10
- एक आलोचनात्मक प्रश्न 06
- इकाई- 2 चार में से दो की व्याख्या 10
- एक आलोचनात्मक प्रश्न 06
- इकाई- 3 आधुनिक संस्कृत साहित्य का सामान्य परिचय 10
- इकाई- 4 संस्कृत साहित्य के किन्ही चार में से दो रचनाकारों पर टिप्पणी 12

18

250/SKT/CC301

B A Sanskrit
semester- 3
Paper-1

Course Code	Course Title	L	T	P	L	T	P	Credits
		(Hrs)			Credits			
CC-A7	**संस्कृत उपन्यास एवं आधुनिक नाटक**	3	1		3	1		4

अधिगम उपलब्धि:-

1. विद्यार्थियों को संस्कृत साहित्य का परिचय

2. विद्यार्थियों को पुराणों दर्शन साहित्य, सांख्यदर्शन, योग दर्शन ,वैशेषिक दर्शन ,चार्वाक दर्शन का ज्ञान प्राप्त होगा।

3. विद्यार्थियों को अम्बिकादत्त व्यास कृत शिवराजविजय का ज्ञान प्राप्त होगा ।

4.विद्यार्थियों को भारतीय ज्ञान परंपरा एवं पद्धति के स्वरूप के अंतर्गत शिक्षा के उद्देश्य एवं गुरुकुल शिक्षा व्यवस्था का ज्ञान कराने हेतू

अधिगम उद्देश्य :-

1.विद्यार्थियों को अम्बिकादत्त व्यास कृत शिवराजविजय का ज्ञान प्राप्त कराने हेतू।

2.विद्यार्थियों को संस्कृत लौकिक एवं दार्शनिक साहित्य के इतिहास का ज्ञान प्राप्त कराने हेतू।

3.व्याकरण शास्त्र के इतिहास का ज्ञान प्राप्त कराने हेतू।

पाठ्यक्रम:

इकाई- 1 अम्बिकादत्त व्यास कृत शिवराजविजय (प्रथम नि:श्वास -आरम्भ से-कथ्यता का दशा भारतवर्षस्य तक)

इकाई- 2 अम्बिकादत्त व्यास कृत शिवराजविजय (प्रथम नि:श्वास -शेष भाग)

इकाई- 3 भारत विजयम् रचनाकार मथुरा प्रसाद दीक्षित

इकाई- 4 नाटक साहित्य का इतिहास एवं आधुनिक नाटककार

(क) प्रो० राजेन्द्र मिश्र

(ख) डॉ०प्रशस्यमित्र

(ग) मथुरा प्रसाद दीक्षित

(घ) बाबूराम अवस्थी

(ङ) डॉ० रमाकांत शुक्लशुक्ल

(च) डॉ० रामजी उपाध्याय

दिशा निर्देश:-

- प्रथम प्रश्न वस्तुनिष्ठ होगा जिसमें आठ वस्तुनिष्ठ प्रश्न प्रत्येकं यूनिट में से दो पूछे जाएंगें 16
- शेष चार प्रश्नों में से यूनिट अनुसार निर्देश अधोलिखित हैं
- इकाई- 1 (क) चार गद्यांशों में से दो की व्याख्या 10
- (ख) दो में से कोई एक आलोचनात्मक प्रश्न 06
- इकाई- 2 (क) चार गद्यांशों में से दो की व्याख्या 10
- (ख) दो में से कोई एक आलोचनात्मक प्रश्न 06
- इकाई- 3 (क) चार में से दो गद्यांशों की व्याख्या 08
- (ख) दो में से कोई एक आलोचनात्मक प्रश्न 06
- इकाई- 4 किन्ही चार नाट्यकारों में से दो पर टिप्पणी कीजिए 08

20

2540/SKT/CC302

B A Sanskrit
Semester – 3
Paper-2

Course Code	Course Title	L	T	P	L	T	P	Credits
		(Hrs)			Credits			
CC-A8	**संस्कृत कथा एवं संस्कृत सुभाषित**	3	1		3	1		4

अधिगम उपलब्धि:-

1. विद्यार्थियों को कथा साहित्य का परिचय एवं इतिहास का ज्ञान प्राप्त होगा।

2. पंचतंत्र के कथांश से विद्यार्थी जीवन में समृद्धि एवं विषमता के विरोधी समय में आत्मोन्नति का संदेश प्राप्त करेंगे।आठ प्रकार के धर्म , समाज में व्यवहार रीति, दान उत्तम चरित एवं जीवन के दोषों का ज्ञान प्राप्त करेंगे।

3. संस्कृत भाषा में प्रयुक्त समास का ज्ञान प्राप्त होगा।

अधिगम उद्देश्य:-

1. कथा साहित्य का परिचय एवं इतिहास का ज्ञान कराने हेतू।

2 पंचतंत्र के कथांश के माध्यम से समाज में व्यवहार की रीति, दान उत्तम चरित्र एवं जीवन के दोषों का ज्ञान कराने हेतू।

पाठ्यक्रम:

इकाई- 1 'पंचतन्त्र' लेखक पं० विष्णुदत्त शर्मा

(क) 'पंचतन्त्र' के प्रथम तन्त्र 'मित्रभेद' से संग्रहित कथाएँ

(क) बुद्धिर्यस्य बलं तस्य, नीलवर्ण:श्रृगाल:, शतकस्य चातुर्यम्, मैत्री पुनस्त्वीदृशी,नाऽ शिष्यायोपदिश्यते, दुर्जनसंगो भयावहः, पराधिकारचर्चा परिवर्जयेत्, सुन्दोपसुन्दकथा, कुञ्जरः प्रलयं गतः,

इकाई- 2 संस्कृत कथा साहित्य का इतिहास

(क) संस्कृत के प्रमुख साहित्यकार

नारायण पण्डित, पं० विष्णु शर्मा, पण्डिता क्षमाराव, सोमदेव,गुणाढ्य, क्षेमेन्द्र ।

इकाई- 3 दीपमालिका(सुभाषित संग्रह) पंडित वासुदेव द्विवेदी शास्त्री

इकाई- 4 नीति सूक्त वृद्ध चाणक्य या विष्णुगुप्त ।

दिशा निर्देश:-

- प्रथम प्रश्न वस्तुनिष्ठ होगा जिसमें आठ वस्तुनिष्ठ प्रश्न प्रत्येक यूनिट में से दो पूछे जाएंगें 16
- शेषे चार प्रश्नों में यूनिट अनुसार निर्देश अधोलिखित हैं :-
- इकाई- 1(क) किन्ही 6 गद्यांशों/पद्यों में से तीन का सरलार्थ 12
- (ख) किन्ही दो कथाओं में से किसी एक का सारांश 08
- इकाई- 2(क) संस्कृत कथा साहित्य के इतिहास पर प्रकाश डालिए । 10
- (ख) किन्ही चार साहित्यकारों में से दो पर टिप्पणी कीजिए । 10
- इकाई- 3 चार में से कोई दो कंठस्थ सुभाषित लिखें । 06
- इकाई- 4 चार में से किन्हीं दो गद्यांशों का सरलार्थ । 10

22

290/SKT/CC303

B A Sanskrit
Semester- 3
Paper -3

Course Code	Course Title	L	T	P	L	T	P	Credits
		(Hrs)			Credits			
CC-A9	**कठोपनिषद एवं ईशावास्योपनिषद् (उपनिषद साहित्य)**	3	1		3	1		4

अधिगम उपलब्धि:-

1.वैदिक वांग्मय एवं संस्कृत का ज्ञान प्राप्त होगा।

2. विद्यार्थियों को वेद, ब्राह्मण, आरण्यक एवं उपनिषद् और वेदांग साहित्य का ज्ञान प्राप्त होगा।3. वैदिक सूक्त के माध्यम से विद्यार्थियों को तत्कालीन आध्यात्मिक सामाजिक एवं राष्ट्रीय परिदृश्य का निर्दशन होगा ।

4.विद्यार्थियों को वैदिक व्याकरण के माध्यम से स्वर, व्यंजन, प्रत्यय का बोध होगा।

अधिगम उद्देश्य:-

1. वैदिक वाङ्मय एवं संस्कृत का ज्ञान कराने हेतू।

2. वेद, ब्राह्मण, आरण्यक एवं उपनिषद् और वेदांग का ज्ञान कराने हेतू।

3. वैदिक स्वर व्यंजन एवं प्रत्यय का ज्ञान कराने हेतू

पाठ्यक्रम:

इकाई- 1 प्रथम अध्याय (कठोपनिषद)

प्रथम वल्ली, द्वितीय वल्ली, एवं तृतीय वल्ली ।

इकाई- 2 द्वितीय अध्याय (कठोपनिषद)

प्रथम वल्ली, द्वितीय वल्ली, एवं तृतीय वल्ली ।

इकाई- 3 ईशोपनिषद् (सम्पूर्ण)

इकाई- 4 एकादशोपनिषद्

दिशा निर्देश :

- -प्रथम प्रश्न वस्तुनिष्ठ होगा जिसमें आठ वस्तुनिष्ठ प्रश्न प्रत्येक यूनिट में से दो पूछे जाएंगें । 16
- शेष चार प्रश्नों में यूनिट अनुसार निर्देश अधोलिखित हैं :-
- इकाई- 1 (क) चार में से दो मंत्रों की व्याख्या 10
- (ख) एक आलोचनात्मक प्रश्न 06
- इकाई- 2 (क) चार में से दो मंत्रों की व्याख्या 10
- (ख) एक आलोचनात्मक प्रश्न 06
- इकाई- 3 (क) चार में से दो मंत्रों की व्याख्या 10
- (ख) एक आलोचनात्मक प्रश्न 06
- इकाई- 4 चार में से किन्हीं दो उपनिषदों पर टिप्पणी कीजिए 06

24

B A Sanskrit
Semester – 4
Paper-1

Course Code	Course Title	L	T	P	L	T	P	Credits
		(Hrs)			Credits			
CC-A10	**संस्कृत व्याकरण का सामान्य परिचय**	3	1		3	1		4

अधिगम उपलब्धि:-

1.विद्यार्थियों को व्याकरण शास्त्र के इतिहास का ज्ञान प्राप्त होगा ।

2.विद्यार्थियों को ,कारकों का प्रयोग कैसे किया जाता है इसका बोध कराया जाएगा।

अधिगम उद्देश्य :-

1.संस्कृत भाषा में प्रयुक्त समास का ज्ञान प्राप्त होगा ।

2. व्याकरण शास्त्र के इतिहास का ज्ञान प्राप्त कराने हेतू।

3. विद्यार्थियों को व्याकरण शास्त्र के इतिहास का ज्ञान प्राप्त कराने हेतू।

पाठ्यक्रम:

इकाई- 1 संज्ञा प्रकरण (लघु सिद्धांत कौमुदी)

इकाई- 2 अच्,हल्, विसर्ग सन्धिं, (सूत्र व्याख्या एवं सूत्र निर्देश पूर्वक संधि एवं संधि विग्रह)

इकाई -3 कृदन्त प्रकरण-क्त, क्तवतु, क्त्वा, ल्यप्, तुमुन्, शतृ, शानच्, घञ् ,अच् ।

इकाई- 4 समास प्रकरण - अव्ययीभावसमास, तत्तपुरूषसमास, बहुव्रीहिसमास, द्वन्द्वसमास ।

दिशा निर्देश:-

- प्रथम प्रश्न वस्तुनिष्ठ होगा जिसमें आठ वस्तुनिष्ठ प्रश्न प्रत्येकं यूनिट में से दो पूछे जाएंगें 16
- शेष चार प्रश्न यूनिट अनुसार दिशा निर्देश अधोलिखित हैं:-
- इकाई- 1 (क) आठ में से किन्ही चार प्रत्याहारों का विवरण 08
- इकाई- 2 (क) चार में से किन्हीं दो की सोदाहरण परिभाषा। 08
- (ख) आठ में से किन्हीं पांच प्रयोगों में संधि अथवा विग्रह प्रदर्शन । 08
- इकाई-3(क) आठ शब्दों में से किन्ही चार में प्रकृति प्रत्यय प्रदर्शन । 08
- (ख) आठ में से चार की परिभाषा उदाहरण सहित । 08
- इकाई- 4 (क) 8 शब्दों में से किन्ही चार पदों का समस्त या विग्रह रूप। 08(ख) चार पदों में से है किन्हीं दो के लक्षण एवं उदाहरण । 06

B A Sanskrit
Semester 4th
Paper-2

Course Code	Course Title	L	T	P	L	T	P	Credits
		(Hrs)			Credits			
CC-A11	**संस्कृत खंडकाव्य 'मेघदूत एवं ऋतुसंहार'**	3	1		3	1		4

अधिगम उपलब्धि:-

1. विद्यार्थियों को संस्कृत खंडकाव्य 'मेघदूत एवं ऋतुसंहार' स्वरूप के अंतर्गत शिक्षा के उद्देश्य एवं गुरुकुल शिक्षा व्यवस्था का ज्ञान कराया जाएगा।

2. प्राचीन भारतीय शिक्षा के अंतर्गत 14 विद्याओं और 64 कलाओं का परिचयात्मक ज्ञान कराया जाएगा।

3. संस्कृत भाषा में प्रयुक्त शब्द रूपों एवं धातु रूपों का ज्ञान प्राप्त होगा ।

4. संस्कृत भाषा में प्रयुक्त स्वर संधि का ज्ञान प्राप्त होगा।

अधिगम उद्देश्य:-

1. विद्यार्थियों को संस्कृत खंडकाव्य 'मेघदूत एवं ऋतुसंहार' के स्वरूप के अंतर्गत शिक्षा के उद्देश्य एवं गुरुकुल शिक्षा व्यवस्था का ज्ञान कराने हेतू।

2. प्राचीन भारतीय शिक्षा के अंतर्गत 14 विद्या और 64 कलाओं का ज्ञान कराने हेतू।3. संस्कृत भाषा में प्रयुक्त शब्द रूप एवं धातु रूपों का ज्ञान कराने हेतू।

4. संस्कृत भाषा में प्रयुक्त स्वर संधि का ज्ञान कराने हेतू ।

पाठ्यक्रम:

इकाई- 1 कालिदास कृत 'मेघदूत' (पूर्व मेघ)

इकाई- 2 कालिदास कृत 'मेघदूत' (उत्तर मेघ)

इकाई- 3 खंडकाव्य का इतिहास

(क) कालिदास का समय व्यक्तित्व एवं कृतित्व ।

(ख) उपमा 'कालिदासस्य' ।

(ग) संदेश काव्य के रूप में मेघदूत की समीक्षा ।

इकाई- 4 किन्ही चार पर टिप्पणी

(क) ऋतुसंहार ।

(ख) लवंगदूतम् ।

(ग) पवनदूतम् ।

(घ) भाती में भारतम् ।

दिशा निर्देश:-

- प्रथम प्रश्न वस्तुनिष्ठ होगा जिसमें आठ वस्तुनिष्ठ प्रश्न प्रत्येकं यूनिट में से दो पूछे जाएंगें । 16
- शेष चार प्रश्न प्रत्येकं यूनिट अनुसार निर्देश अधोलिखित हैं:-
- इकाई- 1 (क) चार श्लोको में से किन्हीं दो की व्याख्या कीजिए । 10
- (ख) एक आलोचनात्मक प्रश्न । 06
- इकाई- 2 (क) किन्हीं चार श्लोक में से दो की व्याख्या । 10
- (ख) एक आलोचनात्मक प्रश्न 06
- इकाई- 3 (क) संस्कृत साहित्य में वर्णित खंडकाव्य के इतिहास पर प्रकाश डालिए । 08
- (ख) दो में से किसी एक पर टिप्पणी कीजिए । 06
- इकाई- 4 चार में से किन्हीं दो पर टिप्पणी कीजिए । 08

28

B A Sanskrit
Semester - 4th
Paper-3

Course Code	Course Title	L	T	P	L	T	P	Credits
		(Hrs)			Credits			
CC-A12	**संस्कृत साहित्य में शतक काव्य**	3	1		3	1		4

अधिगम उपलब्धि:-

1.विद्यार्थियों को शतक काव्य के माध्यम से आत्मा का स्वरूप , योग का महत्व , कर्मफल त्यागपूर्वक कर्म की श्रेष्ठता , स्थित प्रज्ञ का स्वरूप , क्रोध आदि दोषों का त्याग एवं इंद्रिय संयम के महत्व का ज्ञान प्राप्त होगा।

2. संस्कृत भाषा में प्रयुक्त पुल्लिंग, स्त्रीलिंग, नपुंसकलिंग ,शब्द रूपों का ज्ञान प्राप्त होगा।3. संस्कृत भाषा में प्रयुक्त पांचो लकारों में धातु रूपों का ज्ञान प्राप्त होगा ।

अधिगम उद्देश्य :-

1.विद्यार्थियों को शतक काव्य के अंतर्गत आने वाले विषयों से अवगत कराने हेतू।

2.संस्कृत भाषा में प्रयुक्त शब्द रूप एवं धातु रूपों का ज्ञान कराने हेतू।

पाठ्यक्रम:

इकाई- 1 नीति शतक (1 से 50 श्लोक)।

इकाई- 2 वैराग्य शतक (1 से 50 श्लोक)।

इकाई- 3 संस्कृत शतक साहित्य का इतिहास ।

इकाई- 4 संस्कृत साहित्य के प्रसिद्ध शतक रचनाकार

(क) भृतृहरि

(ख) शालिवाहन या हाल

(ग) अमरूक

(घ)भल्लट

(ङ) गोवर्धनाचार्य

दिशा निर्देश:-

- प्रथम प्रश्न वस्तुनिष्ठ होगा जिसमें आठ वस्तुनिष्ठ प्रश्न प्रत्येकं यूनिट में से दो पूछे जाएंगें । 16
- शेष चार प्रश्न प्रत्येकं यूनिट अनुसार दिशा निर्देश अधोलिखित हैं।
- इकाई- 1 (क) चार श्लोक में से किन्हीं दो की व्याख्या । 10
- (ख) एक आलोचनात्मक प्रश्न 06
- इकाई- 2 (क) चार श्लोक में से किन्हीं दो की व्याख्या । 10
- (ख) एक आलोचनात्मक प्रश्न 06
- इकाई- 3 शतक साहित्य के इतिहास पर प्रकाश डालिए । 10
- इकाई- 4 शतक साहित्य के रचनाकारों में से दो पर टिप्पणी कीजिए। 12

30

B A Sanskrit
Semester - 5
Paper-1

Course Code	Course Title	L	T	P	L	T	P	Credits
		(Hrs)			Credits			
CC-A13	**काव्यशास्त्र का इतिहास**	3	1		3	1		4

अधिगम उपलब्धि :-

1. विद्यार्थियों को काव्यशास्त्र का इतिहास का ज्ञान प्राप्त होगा।

2. संस्कृत भाषा में संरचना के आधारभूत कारक विभक्ति का ज्ञान कराया जाएगा ।

3.विद्यार्थियों को उपपद विभक्तियों का बोध कराया जाएगा।

अधिगम उद्देश्य :-

1. काव्यशास्त्र का इतिहास का ज्ञान कराने हेतू।

2. संस्कृत भाषा में प्रयुक्त कारक विभक्ति एवं उपपद विभक्तियों का ज्ञान कराने हेतू।

3. विद्यार्थियों को वाक्यविन्यास का ज्ञान कराने हेतु।

पाठ्यक्रम:

इकाई- 1 काव्यादर्श प्रथम परिच्छेद कारिका (1 से 40)

इकाई- 2 काव्यादर्श प्रथम परिच्छेद कारिका (41-105)

इकाई- 3 साहित्य दर्पण प्रथम एवं द्वितीय परिच्छेद ।

इकाई- 4 काव्यशास्त्र का इतिहास

(क) भरत

(ख) भामहः

(ग) विश्वनाथ

(घ) आनन्दवर्धन

(ङ) दण्डी

(च) अभिनवगुप्त

(छ) मम्मट

(ज) जगन्नाथ

दिशा निर्देश :-

- प्रथम प्रश्न वस्तुनिष्ठ होगा जिसमें आठ वस्तुनिष्ठ प्रश्न प्रत्येक यूनिट में से दो पूछे जाएंगें 16
- शेष चार प्रश्न प्रत्येक यूनिट अनुसार दिशा निर्देश अधोलिखित हैं :-
- इकाई- 1 (क) चार कारिकाओं में से दो की व्याख्या। 10
- (ख) एक आलोचनात्मक प्रश्न । 06
- इकाई- 2 (क) चार कारिकाओं में से दो की व्याख्या । 10
- (ख) एक आलोचनात्मक प्रश्न । 06
- इकाई - 3 साहित्य दर्पण के प्रथम एवं द्वितीय परिच्छेद में से एक का सार । 08
- इकाई- 4 चार में से किन्हीं तीन इतिहासकारों पर टिप्पणी कीजिए । 12

B A Sanskrit
Semester - 5
Paper-2

Course Code	Course Title	L	T	P	L	T	P	Credits
		(Hrs)			Credits			
CC-A14	**भाषा विज्ञान**	3	1		3	1		4

अधिगम उपलब्धि:

1.संस्कृत भाषा में प्रयुक्त स्वर संधि का ज्ञान प्राप्त होगा

2. संस्कृत ध्वनियों का ज्ञान प्राप्त होगा

3. भारोपीय भाषा परिवार का सामान्य एवं संक्षिप्त परिचय

अधिगम उद्देश्य:-

संस्कृत भाषा में प्रयुक्त स्वर संधि का ज्ञान प्राप्त कराने हेतु।

2. संस्कृत ध्वनियों का ज्ञान प्राप्त कराने हेतु।

3. भारोपीय भाषा परिवार का सामान्य एवं संक्षिप्त परिचय कराने हेतु।

पाठ्यक्रम:

इकाई- 1 भाषा की परिभाषा एवं भाषाओं का वर्गीकरण (आकृति मूलक एवं पारिवारिक मूलक) भाषा विज्ञान के प्रयोजन

इकाई- 2 संस्कृत ध्वनियों के विशेष संदर्भ में मानवीय ध्वनि -यंत्र

(क) ध्वनि परिवर्तन के कारण

(ख) ध्वनि नियम (ग्रिम, ग्रासमान,वर्नर)

इकाई- 3 अर्थ परिवर्तन की दिशाएँ तथा कारण

इकाई- 4 भारोपीय भाषा परिवार का सामान्य एवं संक्षिप्त परिचय

(क) भाषा तथा वाक् में अंतर ।

(ख) भाषा और बोली में अंतर ।

दिशा निर्देश :

- प्रथम प्रश्न वस्तुनिष्ठ होगा जिसमें आठ वस्तुनिष्ठ प्रश्न प्रत्येक यूनिट में से दो पूछे जाएंगें 16
- शेष चार प्रश्नों में से यूनिट अनुसार दिशा निर्देश अधोलिखित हैं :-
- इकाई- 1 (क) भाषा की परिभाषा एवं भाषा का वर्गीकरण कीजिए । 08
- (ख) भाषा विज्ञान के क्या प्रयोजन हैं 08
- इकाई- 2 -4 में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए । 16
- इकाई- 3 अर्थ परिवर्तन की दिशाएं तथा कारण बताइए । 10
- इकाई- 4 (क) भारोपीय भाषा परिवार का संक्षिप्त परिचय दीजिए। 04
- (ख) भाषा तथा वाक् में अंतर स्पष्ट कीजिए । 04
- (ग) भाषा और बोली में अंतर स्पष्ट कीजिए । 04

B A Sanskrit
Semester - 5
Paper-3

Course Code	Course Title	L	T	P	L	T	P	Credits
		(Hrs)			Credits			
CC-A15	**संस्कृत व्याकरण तथा लेखन कौशल**	3	1		3	1		4

अधिगम उपलब्धि:

1. विद्यार्थियों को संस्कृत लौकिक साहित्य का परिचय, रामायण महाभारत का सामान्य परिचय एवं महत्व का ज्ञान होगा।

2. विद्यार्थियों को पुराणों दर्शन साहित्य, सांख्यदर्शन, योग दर्शन ,वैशेषिक दर्शन ,चार्वाक दर्शन का ज्ञान प्राप्त होगा।3. विद्यार्थियों को व्याकरण शास्त्र के इतिहास का ज्ञान प्राप्त होगा ।

अधिगम उद्देश्य :-

1.विद्यार्थियों को संस्कृत लौकिक एवं दार्शनिक साहित्य के इतिहास का ज्ञान प्राप्त कराने हेतू।

2.व्याकरण शास्त्र के इतिहास का ज्ञान प्राप्त कराने हेतू।

पाठ्यक्रम:

इकाई- 1 (क) संस्कृत कृदन्त प्रकरण

(ख) तद्धित प्रकरण

अपत्यार्थक -अण्, इञ्,यञ्,ढक्,खञ्,

रक्तार्थक-अण्, यत्,

ठगाधिकार- ठक्,

भावकर्माथक- त्व, तल्,इमनिच्,

इकाई- 2 (क) अव्यय ,उपसर्ग

(ख) कारक प्रकरण

इकाई- 3 (क) सूचना लेखन(Notic)

(ख) संस्कृत में स्व -परिचय लेखन

(ग) पत्र लेखन

इकाई- 4 वाच्य परिवर्तन

दिशा-निर्देश:-

- प्रथम प्रश्न वस्तुनिष्ठ होगा जिसमें आठ वस्तुनिष्ठ प्रश्न प्रत्येक यूनिट में से दो पूछे जाएंगें 16
- शेष चार प्रश्नों में यूनिट अनुसार दिशा-निर्देश अधोलिखित हैं:-
- इकाई-1 (क) आठ शब्दों में से किन्ही चार में प्रकृति प्रत्यय प्रदर्शन
- 08
- (ख) प्रकृति एवं प्रत्यय संबंधी प्रश्न आठ में से चार रूप 08
- इकाई- 2 (क) अव्यय किसे कहते हैं उदाहरण सहित समझाइए । 05
- (ख) उपसर्ग की परिभाषा भेद एवं उदाहरण दीजिए। 05
- (ख) आठ में से चार संस्कृत वाक्य में कारक की दृष्टि से संशोधन 04
- इकाई- 3 (क) सूचना लेखन नोटिस 06
- (ख) संस्कृत में स्व -परिचय दीजिए।06
- (ग) दो में से किसी एक विषय पर पत्र लेखन । 06
- इकाई- 4 पांच में से तीन वाक्य का वाक्य परिवर्तन । 06

B A Sanskrit
Semester - 6
Paper-1

Course Code	Course Title	L (Hrs)	T	P	L Credits	T	P	Credits
CC-A16	**संस्कृत संभाषण तथा उच्चारण कौशल**	3	1		3	1		4

अधिगम उपलब्धि:

1.प्रत्याहार सूत्र एवं उच्चारण स्थान सामान्य परिचय एवं महत्व का ज्ञान होगा।

2.ध्येय वाक्य,शब्द रूप, धातु रूप सामान्य परिचय का ज्ञान होगा।

अधिगम उद्देश्य :-

1.प्रत्याहार सूत्र एवं उच्चारण स्थान सामान्य परिचय एवं महत्व का ज्ञान प्राप्त कराने हेतू।

2.ध्येय वाक्य,शब्द रूप, धातु रूप सामान्य परिचय का ज्ञान प्राप्त कराने हेतू।

पाठ्यक्रम:

इकाई-1 (क) प्रत्याहार सूत्र एवं उच्चारण स्थान -वचन ,लिंग एवं पुरुष

(ख) संख्यावाचक शब्द (1 से 100 तक)

इकाई- 2 (क) पांच वाक्य पर संक्षिप्त टिप्पणी ।

विद्या ,सत्यम्, परोपकार, आदर्श, गुरु, कर्तव्यम् ।

(ख) संस्कृत भाषा में समय लेखन

इकाई- 3 (क) ध्येय वाक्य राज्य एवं राष्ट्रीय संस्थान

(ख) वाक्य अशुद्धि संशोधन (विभक्ति स्वरूप)

इकाई- 4 शब्द रूप- अजन्त तीनों लिंगों में-राम, सर्व, एक, प्रथम, साधू, सखि, पति, भूपति, त्रि,ग्रामणी,सुधी, नृ,गो, रमा, द्वितीया, मति, गौरी, स्त्री, श्री, कतर,वारि, दधि, मधु ।

(ख) धातु रूप - पांच लकारों में(लट्, लोट्, लृट्, लोड्,विधिलिङ् ।

भ्वादिगण-भू, क्रीड,गम्, जि, त्यज्, दृश्,नृत् ।

अदादिगण-अद्, दुह्,पा, ब्रू,शीड्, स्न्,स्वप्,हन् ।

जुहोत्यादिगण - हु, दा , धा,भी ।

दिवादिगण- दिव,क्रुध्, जन्,नश्, नृत्

स्वादिगण- चित्र्, षुञ् ।

तुदादिगण- इष्, कृष्,क्षि,गृ,पृच्छ्, विश्।

दिशा-निर्देश:

- प्रथम प्रश्न वस्तुनिष्ठ होगा जिसमें आठ वस्तुनिष्ठ प्रश्न प्रत्येक यूनिट में से पूछे जाएंगें 16
- शेष चार प्रश्नों में यूनिट अनुसार दिशा-निर्देश अधोलिखित हैं:-
- इकाई- 1 (क)चार में से किन्हीं दो प्रत्याहारों का विवरण 06
- (ख) उच्चारण स्थान -वचन, लिंग एवं पुरुष के अनुसार चार में से कोई दो बताइए 06
- (ख) संस्कृत में संख्या वाचक शब्द लिखिए 08
- इकाई- 2(क) चार में से किन्ही दो पर टिप्पणी कीजिए । 08
- (ख) संस्कृत भाषा में समय सारणी 08
- इकाई- 3 (क) ध्येय वाक्य राष्ट्रीय संस्थानों के (चार में से कोई दो) 04
- (ख) आठ वाक्य में से चार वाक्य में अशुद्धि संशोधन 04
- इकाई - 4(क) आठ में से किन्ही चार शब्दों के संपूर्ण शब्द रूप । 05
- (ख) भ्वादिगण,अदादिगण,जुहोत्यादिगण,दिवादिगण,स्वादिगण में से किन्हीं दो धातुओं के निर्दिष्ट लकार में संपूर्ण रूप । 05

B A Sanskrit
Semester -6
Paper-2

Course Code	Course Title	L	T	P	L	T	P	Credits
		(Hrs)			Credits			
CC-A17	**संस्कृत साहित्य में नीति साहित्य**	3	1		3	1		4

अधिगम उपलब्धि :-

1. विद्यार्थियों को नीतिशतक के माध्यम से न्याय एवं नीति से समाज बोध की शिक्षा प्राप्त होगी ।

2. विद्यार्थियों को नीति साहित्य के साहित्यकारों का ज्ञान प्राप्त होगा।

3. संस्कृत भाषा में प्रयुक्त स्वर संधि का ज्ञान प्राप्त होगा।

अधिगम उद्देश्य:-

1.नीति साहित्य के माध्यम से न्याय एवं नीति से समाज बोध की शिक्षा प्रदान कराने हेतू।

2. नीति साहित्यकारों का ज्ञान कराने हेतू।

3. संस्कृत भाषा में प्रयुक्त स्वर संधि का ज्ञान कराने हेतू।

पाठ्यक्रम:

इकाई- 1 विदुर नीति (प्रथम अध्याय)

इकाई- 2 विदुर नीति (द्वितीय अध्याय)

इकाई- 3 चाणक्य नीति (प्रथम अध्याय)

इकाई- 4 चाणक्य नीति (द्वितीय अध्याय)

दिशा-निर्देश:-

- प्रथम प्रश्न वस्तुनिष्ठ होगा जिसमें आठ वस्तुनिष्ठ प्रश्न प्रत्येक यूनिट में से दो पूछे जाएंगें 16

- शेष चार प्रश्नों में यूनिट अनुसार दिशा-निर्देश अधोलिखित हैं:-
- इकाई- 1 (क) चार में से 2 की सप्रसंग व्याख्या 08
- (ख) दो में से एक आलोचनात्मक प्रश्न 08
- इकाई- 2 (क) चार में से दो की सप्रसंग व्याख्या 08
- (ख) दो में से एक आलोचनात्मक प्रश्न 08
- इकाई- 3 (क) चार में से 2 की सप्रसंग व्याख्या 08
- (ख) दो में से एक आलोचनात्मक प्रश्न 08
- इकाई- 4 (क) दो में से एक की सप्रसंग व्याख्या 03
- (ख) दो में से आलोचनात्मक प्रश्न 03

B A Sanskrit
Semester -6
Paper-3

Course Code	Course Title	L	T	P	L	T	P	Credits
		(Hrs)			Credits			
CC-A18	**संस्कृत साहित्य में उपनिषद तथा स्मृति साहित्य**	3	1		3	1		4

अधिगम उपलब्धि:

1. विद्यार्थियों को उपनिषद का सामान्य ज्ञान प्राप्त होगा।

2.संस्कृत साहित्य की प्रमुख स्मृति ग्रंथ का ज्ञान प्राप्त होगा।

अधिगम उद्देश्य:

1.विद्यार्थियों को उपनिषद का सामान्य का ज्ञान कराने हेतू।

2.संस्कृत साहित्य की प्रमुख स्मृति ग्रंथ का ज्ञान प्राप्त कराने हेतू। ।

पाठ्यक्रम:

इकाई- 1 तैतिरीयोपनिषद शिक्षा वाल्ली (यजुर्वेद)

इकाई- 2 मनुस्मृति प्रथम अध्याय

इकाई- 3 याज्ञवल्क्य स्मृति(व्यवहार अध्याय मात्र)

इकाई- 4 संस्कृत साहित्य की प्रमुख स्मृति ग्रंथ

(क) मनुस्मृति

(ख) याज्ञवल्क्यस्मृति

(ग) नारद स्मृति

(घ) पराशर स्मृति

(ङ) विष्णु स्मृति

(च) अंगिरा स्मृति

(छ) यम स्मृति

दिशा-निर्देश:-

- प्रथम प्रश्न वस्तुनिष्ठ होगा जिसमें आठ वस्तुनिष्ठ प्रश्न प्रत्येक यूनिट में से दो पूछे जाएंगे 16
- शेष चार प्रश्नों में यूनिट अनुसार निर्देश अधोलिखित हैं:-
- इकाई- 1 (क) चार में से दो मत्रों की व्याख्या 10
- (ख) दो में से एक आलोचनात्मक प्रश्न 06
- इकाई- 2 (क) चार में से दो की सप्रसंग व्याख्या 10
- (ख) दो में से एक आलोचनात्मक एक प्रश्न 06
- इकाई- 3 (क) चार में से 2 की सप्रसंग व्याख्या 10
- (ख) दो में से एक आलोचनात्मक प्रश्न 06
- इकाई- 4 चार स्मृति ग्रंथों में से किन्हीं दो पर टिप्पणी 06